Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

पीएचसी का बोर्ड हटाकर सीएचसी करने के बाद भी सुविधाओं का टोटा

चुनौती

बेरानाग सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र में मरीज को हायर सेंटर रेफर करना बना चुनौती

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। बेरीनाग सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र में सीएचसी की सुविधाएं नही मिल पा रही है। बता दें कि बेरीनाग को अस्पताल को सीएचसी की घोषणा किये हुए छह साल बीत चुके है। सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र बेरीनाग में तमाम असुविधाओं के चलते मरीज को हायर सेंटर रेफर करना फिलहाल किसी बड़ी चुनौती से कम नही साबित हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक बेरीनाग स्वास्थ केन्द्र को साल 2015 में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने सीएचसी बनाये जाने की घोषणा की थी। बता दें कि अधिसूचना जारी होने के तुरंत बाद अस्पताल के बाहर लगे पीएचसी के बोर्ड को हटाकर सीएचसी कर दिया गया। मगर क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र में सुविधाओं की कमी आड़े आने लगी है। वर्तमान में आलम यह है कि अस्पताल में चिकित्सकों की कमी व दवाओं की कमी को दूर करने

के लिए उच्च अधिकारियों को सुचित करने के बाद भी यहां हालात जस के तस पड़े है।

बात की जाए अगर सीएचसी के मानकों को लेकर तो चिकित्सकों के दस पद स्वीकृत है। मगर केवल छह चिकित्सक सेवा दे रहे है। दूसरी ओर सर्जन चिकित्सक का पद लंबे अर्से से खाली चल रहा है। सीएचसी में आपरेशन सेवा भगवान भरोसे चल रही है। सीमांत क्षेत्र की आबादी को अच्छे स्वास्थ की सेवा देने के नाम पर इलाके में आने वाले गंभीर रोगियों को सुविधाएं न मिल पाने के कारण हायर सेंटर इलाज को जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

क्षेत्र में रोजाना करीबन चार सौ से भी ज्यादा मरीज इलाज के लिए इस सीएचसी सेटर में दिखाने के लिए आते है। वही सीएचसी के मानकों के चलते दवाएं न मिल पाने से अधिकांश मरीजों को बाजार से मंहगें दामों में दवाएं खरीदनें को मजबूर होना पड़ रहा है। इस मामले पर बेरीनाग सीएचसी सेंटर में कार्यरत प्रभारी डाक्टर सिद्वार्थ पाटनी ने बताया कि अस्पताल में लंबे समय से चिकित्सको व दवाओं की काफी कमी बनी हुई है।

इस बारे में कई बार शासन को अवगत करा दिया है मगर आज तलक कोई समाधान नही हो पाया है। ऐसे हालातों में बेरीनाग के सीएचसी सेटर को मिला दर्जा केवल कागजों तक सीमित रहता नजर आ रहा है। धरातल पर कोई बेहतर उम्मीद सुविधाओं की नही नजर आते दिख रही है।

न्यूज डायरी

पंडित दीनदयाल की मूर्ति पर किया माल्यार्पण

संवाददाता डोईवाला। भारतीय जनता पार्टी डोईवाला मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर डोईवाला नगर पालिका में स्थापित पंडित दीनदयाल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी संपूर्ण सिंह रावत व मंडल महामंत्री पंकज शर्मा ने पंडित दीनदयाल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल के विचार मात्र हमारे भाषणों, बयानों, पुस्तकों, और दीवार पर टंगी तस्वीरों तक ही सीमित नहीं है बल्कि हमारे मन में रचे बसे हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल सदैव अंत्योदय की बात करते थे और आज उन्हीं के विचारों पर चलते हुए भाजपा की केंद्र सरकार व राज्य सरकार अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को आगे लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

ऑनलाइन चार्ट प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता डोईवाला। शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा आज एक ऑनलाइन चार्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चार्ट प्रतियोगिता में दो विषयों पर चार्ट ऑनलाइन जमा करवाए गए। इस अवसर पर पहला विषय प्राष्ट्रीय सेवा योजना के 50 वर्ष एवं दूसरा विषय प्कोविड–19 में राष्ट्रीय सेवा योजना का योगदान। ऑनलाइन चार्ट प्रतियोगिता में 96 प्रविष्टियां प्राप्त हुई जिन में प्रथम स्थान नेहा वर्मा द्वितीय स्थान पर दीक्षा ममगाईं एवं गौरव डंडरियाल,तृतीय स्थान पर श्रुति उनियाल एवं रश्मि ममगाईं तथा सांत्वना पुरस्कार अर्चित गौतम ने प्राप्त किया।

महाकाल के दीवानसामाजिक संस्था द्वारा आमजन को जागरूक किया गया

संवाददाता देहरादून। महाकाल के दीवानसामाजिक संस्था द्वारा इस कोरोना वायरस कोविड 19 संक्रमण काल में आमजन को जागरूक करने के लिए होर्डिंग व हैंड मेड स्लोगन पोस्टर के द्वारा एवं मॉस्क वितरण. घंटाघर पर किया गया। इस अवसर पर महाकाल के दीवाने समाजिक संस्था के अध्यक्ष रोशन राणा ने कहा है कि समय समय पर इस प्रकार के सामाजिक कार्य किये जाते रहेंगें। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस कोविड 19 संक्रमण काल में लोगों को इसके प्रति व्यापक स्तर पर जागरूक करने के साथ ही साथ मॉस्क आदि का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल थे।

मरघट व गांव के रास्ते पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

संवाददाता पुरोला। नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे रामा सिरांई पट्टी के 22 गांव को जोडनें वाले आम रास्ते पर कुछ लोगों के अतिक्रमण कर मरघट व गांव का रास्ता बंद करनें को लेकर लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

शुक्रवार को नगर वासियों व रामा सिरांई के ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा व आम रास्ते का अतिक्रमण हटाने समेत अतिक्रमणकारियों के खिलाफकार्यवाही की मांग की। साथ ही अतिक्रमण न हटने पर आंदोलन चेतावनी दी।

ज्ञापन में कहा गया है कि नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गतवार्ड नंबर 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे कमल

वार्ड नंबर 6 के नगर वासियों व ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

नदी से लगे डेढ दर्जन गांव के सामुहिक मरघट व रामा सिरांई के मोल्ताडी, गुंदियाट गांव,पोरा,देवदूंग कुमारकोट, भद्राली,घुंडाडा,धामपुर आदि दर्जनों गांव को जानेवाले आमरास्ते पर सीएचसी के बगल में कुछ शरारती तत्वों ने मकान खडाकर रास्ते पर अतिक्रमण कर बंद कर दिया है। जबकि मरघट का एक मात्र रास्ता बंद होने से जंहा लोगों को शमशान तक दाहसंस्कार को शब ले जाने में भारी दिक्कत होगी वहीं रामा सिरांई के दर्जनोंगांव की आवाजाही रूकनें से लोगों को परेशानी हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने किया पौधारोपण

संवाददाता देहरादून। पंडित दीन दयाल की 104 वी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को दींन दयाल पार्क में वृक्षारोपण व माल्यार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पंडित दींन दयाल सेवा प्रतिष्ठान की प्रदेश अध्यक्ष शुभा वर्मा ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कोरोना काल में सावधानियां बहुत जरूरी है और हमें हर परिस्थिति में सामुदायिक दूरी का पालन करते हुए मास्क का प्रयोग करना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर देहरादून के मेयर सुनील उनियाल गामा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वंशीधर भगत, नरेश बसल, बी पी मकवाना, रायपुर विधायक खजान दास, हरबंस कपूर, बाल सरंक्षण आयोग की अध्यक्ष उषा नेगी आदि भी उपस्थित थे।

एक नायब तहसीलदार के भरोसे चल रहा मोरी व पुरोला तहसील का सब काम

संवाददाता

पुरोला। पुरोला व मोरी की तहसीलें विगत 3 माह से एक नायब तहसीलदार के भरोशे चल रहे है वहीं बीते 2 वर्षो से क्षेत्र में राजस्व उपनिरीक्षकों का टोटा पडा हुआ है। मोरी व पुरोला तहसीलों में राजस्व उपनिरीक्षकों की इस कदर कमी बनी हुई है कि एक–एक पटवारी के जिम्मे तीन–तीन राजस्व चौकियों का जिम्मा है। तकरीबन यही हाल मोरी व पुरोला तहसील से तहसीलदार की सेवानिवृति के तीन माह बाद से तीन तहसीलों का जिम्मा एक नायब तहसीलदार के हवाले चल रहा है।

दो वर्षों से दोनों तहसील राजस्व

मोरी–पुरोला तहसील में पटवारियों का भी टोटा

उपनिरीक्षकों की भारी कमी झेल रहा है किंतु पिछले दो माह पहले मोरी व पुरोला तहसीलों से कई पटवारियों की प्रोन्नति व स्थानांतरण होने से मोरी के 11 राजस्व क्षेत्रों के सापेक्ष केवल 5 कार्यरत हैं वंही पुरोला में 10 राजस्व क्षेत्रों के सापेक्ष केवल 5 राजस्व उपनिरीक्षक कार्यरत है जिनमे से भी मोरी से एक व पुरोला से दो ट्रेनिंग पर गए हैं।आधा दर्जन राजस्व चौकियां खाली पड़ी है,एक राजस्व उप निरीक्षकों के पास दो या तीन चौकियों का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जिस कारण दूरदराज क्षेत्रों से अपने तहसील सम्बंधित कार्यो को निपटाने आने वाले ग्रामीणों को दिक्कतें हो रही है या प्रमाण पत्रों–भूमि संबंधित छोटे–छोटे कार्यो के लिए कई–कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है अथवा तहसील के चक्कर काटनें पड रहे हैं।

उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी ने बताया कि सेवानिवृत्ति,पदोन्नति व स्थानांतरण से तहसीलदारों व राजस्व उपनिरीक्षकों की भारी कमी है,मोरी तहसील के नायब तहसीलदार चमन सिंह पुरोला के अलावा बड़कोट व मोरी तीन तहसीलों का कार्य देख रहे है जबकि राजस्व निरीक्षकों की प्ररोन्नति से कई पद खाली पडे हैं,नजदीकी राजस्व निरीक्षकों को चार्ज सौंपा गया है ताकि लोगों को दिक्कत न हो।

रई छेत्र मे शावक का शव मिलने से मची सनसनी

संवाददाता पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ नगर के रई क्षेत्र मे शुक्रवार करीबन साढ़े पांच बजे के बीच रई पुल के समीप गुलदार के मृतक शावक मिलने से अफरातफरी का माहोल दिखा। जंगलों से इन दिनों शहर मै जहां गुलदार घनी आबादी के बीच शहर मे चहल कदमी करते दिखाई दे रहा था। ठीक दो दिन बाद गुलदार के मृतक बच्चे का शव दिखने से वन महकमे मै हलचल मचा हुआ है।